MT - 115

2013 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | |

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V

Time : 2 Hours **(Pages 3)** **Max. Marks : 40**

सूचना : शुद्‌ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्‌यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **3**

1) हाँ, तो मैं .... जाने की सोच रहा था । (मुंबई /दिल्ली / चेन्नई)
2) भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका .... है । (बाँकपन /लचीलापन /सूक्ष्मता)
3) घूमता - घूमता वह .... की सीमा पर पहुँच गया । (जनपद /महामार्ग / दोहरी राह)

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए । **3**

1) बराबर वाली क्लास में हो रहे शोर का मानीटर ने कौन - सा कारण बताया ?
2) मदर टेरेसा ने सेवाकार्य के लिए कौन-सी बस्ती का चयन किया ?
3) राष्ट्रनिर्माण में किस - किसका सहभाग होता है ?
4) 'शील ' की दृष्टि से कौन - सा राजा बड़ा हो गया ?
5) दो वर्षीय सेवाकार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए वह कहाँ गईं ?

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्‌यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए । **6**

1) 'आसमान अपने सिर पर उठा रखा है ।' मुहावरे का गलत प्रयोग सुनकर मुंशी जी ने किन बातों का स्पष्टीकरण दिया ?
2) मदर टेरेसा ने देश - विदेश में अमानवीय कार्यों का विरोध कैसे किया ?
3) दो राजाओं के सारथियों ने एक -दूसरे को चुनौती देते हुए क्या कहा ?
4) वन के सभी प्राणी खरगोश का आदर क्यों करने लगे ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्‌यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : **2**

1) कोकिल अति सुंदर .... है । (चिड़िया / बुलबुल / चुरुंगन)
2) क्षीण .... रह जाती है । (लकीर - सी / डोर - सी / रेखा - सी)

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए : **2**

1) कोकिल के बोल किसकी धुन की तरह होते हैं ?
2) नदी किस का रहस्य बताती है ?
3) स्वतंत्रता के नए पर्व पर कवि क्या करने के लिए कह रहे हैं ?

ग) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए : **6**

1) आज मानव बापूजी से कौन - सी आस लगाए बैठा है ?
2) नानक जी ने अच्छे मनुष्य के कौन - कौन - से लक्षण बताए हैं ?
3) नदी कौन - कौन - से काम करती है ? हमें उससे क्या प्रेरणा मिलती है ?
4) कवि ने नन्हे बच्चों का आवाहन किस प्रकार किया है ?

प्रश्न 3. च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) उसका नौकर रामू लालची और आलसी व्यक्ति है ।
2) छी ! तुम बड़ों का अनादर करते हो ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) ओर   2) उफ !

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार कालपरिवर्तन कीजिए : **2**

1) उनके पिता ने व्यवसाय किया । (अपूर्ण भूतकाल)
2) भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा हुआ है । (सामान्य भविष्यकाल)
3) राजा ब्रह्मदत्त का रथ जा रहा था । (पूर्ण भूतकाल)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के कालभेद पहचानिए :

1) मैं सेना में भरती हो जाऊँगा ।
2) एक स्थान पर बाँध बन रहा है ।
3) ठाठ से पैर फैलाकर विराजे थे ।

ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए : **1**

1) मैं किसी का अनीष्ट करना नहीं चाहता है ।
2) आज के इस कड़वे यथार्थ पर तिखे प्रकाश डाल रहा हैं ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए । **1**

1) खिडकी 2) पहूंचा

इ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए । **2**

1) सिसकारी छोड़ना । 2) हुल्लड़ मचना ।
3) साँप सूँघ जाना ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए : **6**

1) घायल सैनिक की आत्मकथा । 2) महँगाई : एक विकट समस्या ।
3) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता..... । 4) मेरी चाह ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : **4**

1) करन / करिश्मा वेद, बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अत: उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर के नाम पत्र लिखता / लिखती है ।

2) कमल / कमला पवार, 11 / स, शंकर भवन, रामनगर, औरंगाबाद से अपने प्रधानाध्यापक, तिलक विद्यालय, गणेश पथ, औरंगाबाद के नाम प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :

नारी ईश्वर की देन है और ईश्वर की बेटी है । भगवान के बाद हम स्त्री के ही देनदार है । जिंदगी देने के लिए और फिर जिंदगी योग्य बनाने के लिए वह माता के समान हमारी रक्षा करती है तथा मित्र और गुरु के समान हमें शुभ कार्यों के लिए प्रेरित करती है। नारी का त्याग और बलिदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि है। परंतु ईश्वरीय प्रवृत्ति एवं ईश्वर द्वारा किसी भी नारी से किया गया असामयिक क्रूर मजाक वह होता है, जब नारी का सर्वेसर्वा, मार्गदर्शक उसका भविष्य-निर्माता उसे इस असीम दुनिया में नितांत अकेले छोड़कर, अनायास काल-कवलित हो जाता है।

संतोष की बात है कि हमारे भारत में कुछ विधवा-विवाह होने लगे हैं। विधवा-विवाह एक गौरव की बात है, जो समाज की शुद्धता और देशोन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

Best Of Luck

MT - 115

2013 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

उ.1.	**अ) पठित गद्‌य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए :**	
1)उ.	हाँ, तो मैं दिल्ली जाने की सोच रहा था ।	1
2)उ.	भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका लचीलापन है ।	1
3)उ.	घूमता - घूमता वह जनपद की सीमा पर पहुँच गया ।	1
	आ) पठित गद्‌य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)उ.	बराबर वाली क्लास में हो रहे शोर का मानीटर ने यह कारण बताया कि 'पंडित जी क्लास में नहीं हैं ।'	1
2)उ.	मदर टेरेसा ने सेवाकार्य के लिए कोलकाता स्थित मोतीझील बस्ती का चयन किया ।	1
3)उ.	राष्ट्रनिर्माण में देश, देश के निवासियों और देश की संस्कृति का सहभाग होता है ।	1
4)उ.	'शील' की दृष्टि से राजा ब्रह्मदत्त बड़े हो गए ।	1
5)उ.	दो वर्षीय सेवाकार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए मदर टेरेसा दार्जिलिंग गईं ।	1
	इ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्‌यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए ।	
1)उ.	सुप्रसिद्‌ध लेखक 'लक्ष्मीचंद्र गुप्त' जी ने 'मुहावरे और मुंशी जी की सनक' पाठ में हास्य और व्यंग्यात्मक शैली में मुहावरों के अर्थपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला है । मानीटर ने जब मुंशी जी को बताया कि पास वाली कक्षा के लड़कों ने आसमान अपने सिर पर उठा रखा है तो इसमें 'अपने' शब्द पर मुंशी जी को बड़ी आपत्ति हुई । उन्होंने मानीटर को डपटते हुए कहा कि मुहावरे में 'अपना' शब्द उसके द्‌वारा जोड़ने से मुहावरे की ऐसी - तैसी हो गई है । अब इस मुहावरे का मतलब 'शोर मचाना' नहीं होगा । मुंशी जी ने विद्‌यार्थियों को समझाते हुए कहा कि मुहावरे में अपनी तरफ से कोई भी शब्द जोड़ना, उसके शब्दों में जरा - सा भी हेर - फेर करना या उनका क्रम बदलना या उसके किसी शब्द के स्थान पर उसका पर्यायवाची शब्द रख देना, वास्तव में असली मुहावरे की हत्या कर देने जैसा है । इस प्रकार 'आसमान अपने सिर पर उठा रखा है' मुहावरे का गलत प्रयोग सुनकर मुंशी जी ने मुहावरे में शब्दों के महत्व का स्पष्टीकरण दिया ।	3
2)उ.	सुप्रसिद्‌ध लेखक 'पृथ्वीनाथ पांडेय' जी ने 'मदर टेरेसा' पाठ में मदर टेरेसा जी के सेवाभाव और त्याग का परिचय अत्यंत सुंदर ढंग से करवाया है ।	3

	मदर टेरेसा गर्भपात जैसे अमानवीय कार्यों की प्रबल विरोधी थीं । संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित एक प्रार्थना सभा में उन्होंने गर्भपात को निंदनीय अपराध बताया । उन्होंने इस बारे में कहा कि यदि किसी माँ को अपने बच्चे की हत्या करने की अनुमति है तो फिर किसी को भी हत्या के लिए रोका ही नहीं जा सकेगा । गर्भपात को अनुमति देनेवाले देश प्यार का सबक सिखाने की बजाय हिंसा करने की छूट दे रहे हैं । सन् 1994 में अमेरिका ने गर्भपात को प्रोत्साहन दिया तब मदर टेरेसा ने उसकी घोर निंदा की थीं । इस प्रकार मदर टेरेसा ने देश - विदेश में अमानवीय कार्यों का खुलेआम विरोध किया ।	
3)उ.	सुप्रसिद्‌ध लेखक डॉ. 'जगदीशचंद्र जैन' जी ने दो लघुकथाएँ पाठ में मानव जीवन के महान मूल्यों की सीख देने का सफल प्रयास किया है । राजा ब्रह्मदत्त और राजा मल्लिक दोनों के सारथी अपने - अपने राजा को बड़ा मान रहे थे । मल्लिक राजा के सारथी ने ब्रह्मदत्त को चुनौती देते हुए उसे अपना रथ पीछे हटाने के लिए कहा । इस पर ब्रह्मदत्त के सारथी ने गर्व से कहा कि उसके रथ में वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त विराजमान हैं इसलिए वह अपना रथ पीछे नहीं हटाएगा बल्कि उसी को अपना रथ पीछे हटाना पड़ेगा । इस प्रकार दोनों राजाओं के सारथियों ने एक दूसरे को चुनौती देते हुए अपने रथ को पीछे हटाने के लिए ललकारा ।	3
4)उ.	सुप्रसिद्‌ध लेखक 'व्यथित हृदय' जी ने 'खरगोश की एक और रेस' पाठ में खरगोश के उदाहरण द्‌वारा आत्मघाती घमंड से बचने की सीख दी है । सवारी गाड़ी को दौड़ने में पीछे छोड़कर खरगोश उससे आगे निकल गया । खरगोश की यह सोच थी कि वह रेलगाड़ी से भी तेज दौड़ सकता है । अब उसने सबसे कहना शुरू किया कि 'उसने दौड़ में रेलगाड़ी को भी हरा दिया है ।' जंगल के सभी जानवरों ने इस शेखी को सच माना । इस प्रकार वन के सभी प्राणी खरगोश का आदर वन में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर मानकर करने लगे ।	3
उ.2.	**क) निम्नलिखित पद्‌यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :**	
1)उ.	कोकिल अति सुंदर <u>चिड़िया</u> है ।	1
1)उ.	क्षीण <u>रेखा - सी</u> रह जाती है ।	1
	ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्‌यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :	
1)उ.	कोकिल के बोल <u>बंसी (श्रीकृष्ण की मनमोहक बांसुरी) की धुन की</u> तरह होते हैं ।	1
2)उ.	नदी <u>सफल जीवन</u> का रहस्य बताती है ।	1
3)उ.	स्वतंत्रता के नए पर्व पर कवि लोगों से <u>नाचने - गाने और धूम मचाने</u> के लिए कह रहे हैं ।	1

	ग) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :	
1)उ.	सुप्रसिद्ध कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'बापू' कविता में सामाजिक चेतना से प्रेरित होकर मानव जीवन के बिखरे हुए रूप को प्रस्तुत किया है । मनुष्य ने विज्ञान की बदौलत अपनी सुख - सुविधाओं के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का निर्माण कर लिया है । इस युग में मानव के पास भौतिक सुख को बनाएँ रखने के साधनों का अभाव नहीं है । इसके बावजूद आज पूरी दुनिया उत्पीड़न और अशांति की शिकार है । बापू ने भौतिक विकास की अपेक्षा आत्मिक विकास को अपनाने की सीख दी थी । उन्होंने सत्य, अहिंसा और मानवता के शाश्वत सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह किया था । बापू का अटल विश्वास था कि उस सुख - शांति को पाने के लिए मानवजाति को इन सिद्धांतों को अपनाना ही होगा । इस प्रकार आज मानव बापू जी से जीवन में शाश्वत सुख - शांति लाने की आस लगाए बैठा है	**3**
2)उ.	संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का उ.महत्त्व तथा झूठ - मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है । नानक जी कहते हैं कि अच्छे मनुष्य को लोभ, मोह, मान, अपमान, हर्ष और शोक (षड्रिपुओं) की भावनाओं से दूर रहना चाहिए । उसको अपने मन में सुख, आनंद और धन के लालच को नहीं आने देना चाहिए । उसे धन - दौलत को मानवता के सामने महत्त्वहीन मानना चाहिए । आत्म - प्रशंसा सुनने और परनिंदा करने से बचना ही उसके लिए लाभदायक है । नानक जी के अनुसार अच्छा मनुष्य वहीं है जो मान - अपमान, धन - दौलत, सुख - दु:ख, काम - क्रोध की भावनाओं से स्वयं को बचाकर रखें । ऐसे मनुष्य ही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं, जो इन लक्षणों का पालन करते हैं तथा अपने जीवन को संयमपूर्वक व्यतीत करते हुए सांसारिक प्रलोभनों से स्वयं को दूर रखते हैं । इस प्रकार नानक जी ने लोभ, मोह, मान, अपमान, हर्ष और शोक (षड्रिपुओं) की भावनाओं से मुक्त रहने को अच्छे मनुष्य के लक्षण बताए हैं ।	**3**
3)उ.	सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है । प्रकृति माता के परोपकारी रूप की झलक हमें नदी के रूप में मिलती है । वह अनुपजाऊ (बंजर) भूमि को भी उर्वरक बना देती है । नदी अपने किनारे नए नगरों, नई बस्तियों और सभ्यताओं को फलने - फूलने का मौका देती है । नदी के किनारे सभी प्राणियों को अन्न - जल मिलते रहने से अत्यधिक तृप्ति मिलती है । मुश्किलों से डरकर उन्नति की राह पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा नदी ही देती है । नदी की तरह हमें हमेशा आगे बढ़ते रहना	**3**

	चाहिए । सतत मेहनत, परोपकार और साहस के बल पर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करने की प्रेरणा नदी ही हमें देती है । इस प्रकार नदी जनहित के असंख्य कल्याणकारी कार्य करती हैं और उससे हमें हमेशा जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है ।	
4)उ.	सुप्रसिद्‌ध कवि 'सोहनलाल द्‌विवेदी' जी ने 'फिर प्यारा त्योहार आ गया' कविता में दीपावली त्योहार के आनंदोत्सव की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाने का संदेश दिया है । पंद्रह अगस्त के दिन पूरे देश में उत्साह और खुशियों का माहौल है । कवि नन्हें बच्चों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि जब सारे देशवासी आजादी का उत्सव मना रहे हैं तो भला तुम क्यों पीछे रहो ? तुम्हें भी अपने नन्हें - नन्हे कदम बढ़ाकर इस आनंद में शामिल हो जाना चाहिए । आज का दिन सर्वोपरि है । सभी देशवासी भारतमाता की जय - जयकार कर रहे हैं । तुम तो भारत माता के सपूत हो । इस दिन और त्योहार को उत्साह - उमंग से मनाने का सबसे पहला हक सिर्फ तुम्हारा ही है । इसलिए तुम भी भारत माँ की जय - जयकार में शामिल हो जाओ । इस प्रकार कवि ने नन्हें बच्चों से भारत माता की जय - जयकार में शामिल होने का आवाहन किया है ।	**3**
उ.3.	**च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**	
1)उ.	लालची, आलसी - विशेषण ।	**1**
2)उ.	छी ! - अव्यय ।	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :	
1)उ.	बच्चे विद्‌यालय की <u>**ओर**</u> जा रहे हैं ।	**1**
2)उ.	<u>**उफ !**</u> आज कितनी गर्मी है ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार कालपरिवर्तन कीजिए :	
1)उ.	उनके पिता व्यवसाय <u>कर रहे थे</u> ।	**1**
2)उ.	भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में बँधा <u>होगा</u> ।	**1**
3)उ.	राजा ब्रह्‌मदत्त का रथ <u>गया था</u> ।	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)उ.	सामान्य भविष्यकाल	**1**
2)उ.	अपूर्ण वर्तमानकाल	**1**
3)उ.	पूर्ण भूतकाल	**1**

ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए :

1)उ. मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं चाहता हूँ । 1

2)उ. आज के किसी कड़वे यथार्थ पर तीखा प्रकाश डाल रहा है । 1

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।

1)उ. खिड़की 1

2)उ. पहुँचा 1

झ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1)उ. **सिसकारी छोड़ना –** व्याकुलता से दीर्घ श्वास लेना । 1
वाक्य : बढ़ती हुई मँहगाई के कारण जनता सिर्फ सिसकारी छोड़ने के लिए मजबूर है ।

2)उ. **हुल्लड़ मचना –** शोर मचना । 1
वाक्य : बच्चों ने कक्षा में हुल्लड़ मचाकर सभी शिक्षकों को परेशान कर दिया ।

3)उ. **साँप सूँघ जाना –** चेतना - शून्य होना । 1
वाक्य : चोरी करते हुए पकड़े जाने पर नौकर को साँप सूँघ गया ।

उ.4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :

1)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 53 - Q.2 6

2)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 72 - Q.20 6

3)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 86 - Q.35 6

4)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 92 - Q.42 6

उ. 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

1)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 30 - Q.2 4

2)उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 40 - Q.12 4

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :

उ. Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No -2- Page No. 23- Q.16 4

❖❖❖❖